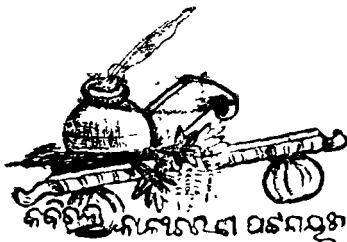


ସୁମେନା ସଙ୍ଗୀତ

[ପ୍ରଥମ-ବିଭାଗ]

ବନ୍ଧନ, କଙ୍ଗନ, ଭାଗା, ତୁଳସୀଦାସ, ମଞ୍ଜିଲ ଓ କନ୍ଦରୀ ପ୍ରଭୃତି
କେତେକ ସରସ ହିନ୍ଦି ଧିଲ୍‌ମର ବନ୍ଧୁ ଦନ୍ଧୁ ସଙ୍ଗୀତ
ଓ

ସେହି ସ୍ୱରନୁସାଗ
କୋଟିଶ୍ରୀ ଶ୍ରୀ ଓଡ଼ିଆ ସଙ୍ଗୀତର
ସର୍ବଳ ସ୍ୱର-ଲପି-ସମାବେଶ ।



ପ୍ରଥମ ମୁଦ୍ରଣ—୧୯୪୧

ଚଟକ, କାଳୀ-ପ୍ରେସର ର ଶ୍ରୀ ଦୁର୍ଲ୍ଲଭଚନ୍ଦ୍ର ସିଂହଙ୍କ ଦ୍ୱାରା ମୁଦ୍ରିତ ।

-ପ୍ରା ଶ୍ରୀ ପି ଶ୍ରୀ-

ପଦେକଥା

ଏହି ପିଲା—ସଙ୍ଗୀତର ଗୋଟିଏ ଛୁଆଁ ଗୁଣ ଘଟେ ବହୁଳ, ଅନେକଙ୍କ ପିଲା ଦେଖି,
 ଦୂର ମନେ ରଖିବାକୁ ଚେଷ୍ଟା କରି ଭଲ ଯଥାର୍ଥ । ତାର ଚାରିଟି ଗୋଟିକ ପରେ ଆଉଟିଏ ଶୁଭ-
 ମଧୁର ସଙ୍ଗୀତ, ଶ୍ରୋତାଙ୍କୁ ଘରୁପରେ ବୁଝାଇ ଦେଇ—ତାଙ୍କର ସୁବସ୍ତର ସୁରୁଣର ଅବକାଶ
 ନଥାଏ । ଭଲ ଗାୟକମାନେ ମଧ୍ୟ ଏହି ଏହି ଗୀତ ଗାଉବାକୁ ସଚେତୁ, ଜନମନୋରଞ୍ଜନ
 ପାଇଁ । ତେଣୁ ଦିନେ ମୋର ମନେ ହେଲା, ଏ ଗୁଣେ ହେବେ ସବୁ ଆମ ଘରେ ରହୁପାରୁଥିବା
 ସମସ୍ତଙ୍କର ଶିଖିବା ବାଟ ସରଳ ହେଉ । କଥାଟି ହେବାକୁ ଅଗୋ ମୋତେ କଷ୍ଟ ପଡ଼ିଲା ନାହିଁ;
 କିନ୍ତୁ ସ୍ବର ସୁରଣରଖି ସ୍ବରଲିପି ପ୍ରସ୍ତୁତ କେବଳେ ତମେ ନଈବା ଭଲ ଅନୁଷ୍ଠା ଭେରିଛି ।
 ଅନୁରଗ ମାତେ ମୋ କଥାର ଫଳାଫଳ ବୁଝିବେ ତାଙ୍କର ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟ ହିଁ ଗୀତ ସାଙ୍ଗକୁ ଆମ
 ଓଡ଼ିଆ ଗୀତ ଗୋଟିଏ ଗୋଟିଏ ହେବେ, ଗୀତ ଓ ସ୍ବର ଅନ୍ତର ଉପ-ରକ୍ଷାକୁ ଶିଖିବାକୁ ତ ସୁବିଧା
 ହେବ ଆଉ ତା ଛଡ଼ା ଅନ୍ୟ ଗୁଣର କି ହେବ ସିଫତ ନାହିଁ । ତୁମ ସ୍ବରରକ୍ଷାରେ ଏ ଗୁଣକୁ
 କରବାକୁ ମୋତେ ଟିକିଏ ଅତି ଅଳ୍ପ କେବଳ ତୁମ ସଙ୍ଗୀତର ସ୍ବର ଓ ରଚନା-ମାଧ୍ୟମ
 ରକ୍ଷା ନିମିତ୍ତ ସେହି ଓଜନର କେ ଅଟେଇ ବଢ଼ିବ । ଦୋଷ ନଥିବ, ଏକଥା ମୁଁ କହୁନାହିଁ ।
 ମୋ ସାମର୍ଥ୍ୟକୁ ଗୁଣି ସାଧାରଣ ମଧ୍ୟର ବେଳାକୁ ମୁଁ ଚେଷ୍ଟାରେ ବୁଝା କରିନାହିଁ, ଏତିକରେ
 ମୋର ବୁଝି । ମୋର ଭଲ ଉଦ୍ଦେଶ୍ୟରେ ତୁମ ଆଉ ଓଡ଼ିଆ ଦୁଇ ରଚନାର ଗୀତ ଏକା
 ସ୍ବରଲିପିରେ ହାସଲ କରବେ ବୋଲି, ମୋର ଏ ଚେଷ୍ଟା ।

ସମ୍ବନ୍ଧୀୟ ସ୍ବରୁପ କେତେଗୋଟି ଗୀତର ସ୍ବରଲିପି ଦେଇ ଏ ପୁସ୍ତକଟିର ପରିଶ୍ରମ ଓ ଆଜ୍ଞାର
 ଚକ୍ରା କଜାର ତୁଳନାରେ, କେବଳ ସମସ୍ତଙ୍କ ବର-ଗତ ହେବା ଇଚ୍ଛାରେ, ଅଳ୍ପ ମୁଦ୍ରା ରଖା
 ଯାଇଅଛି । ଦେଖି, ଯେବେ ଆଦର ପାଏ, ଅତି କିଛି ଗୀତ ପରେ ପ୍ରକାଶ କରିବ ।

ଦୋଳପଣ୍ଡିତା
 ୧୩/୩/୫୨
 କଟକ ।

। ନ ।

ସୁଧାଂଶୁ କୁମାର



(ଏକ)

କ ଷ୍ଟ ନ୍

ଗାୟିକା-ଲୀଳା ଚିତ୍ରଣ

—ହିନ୍ଦ ଗୀତ—

(ବହରା)

—ବ୍ରଜ ଗୀତ—

କଲ ଭରନେ ତଳେ ରି ସୁରସୀ ।
 ସମ୍ଭା କିନାୟା, ତହିଁର ଧାର
 ପତନ କହଇ ଦୂରବେଶୀ ॥
 ନାର ତାର ସର ଫୁଲ ଡେଲେଟି
 ବୁଦ୍ଧ ରହି କୋପୁଲସୀ ॥
 ବୁଦ୍ଧ ବୁଦ୍ଧମେ ଭବର ଗୁଣେ
 ବୁଦ୍ଧ କୋମଳ କଲସୀ ॥

ମନ ବୁଦ୍ଧେ ସେ ମନ ସାଥୀ !
 ସମୀର ଅଧୀର, ତେଜ ନୀର
 ଯୌବନ-ବନ ଉଠୁ ମାତ ॥
 ବୁଦ୍ଧ ପୁଦ୍ଧ ଭରେ ଶୀତ କୁହରେ
 ତେଜ ହସେ ମଧୁରତ ॥
 ମନ୍ତ୍ର ବୁଦ୍ଧେନେ, ଭ୍ରମର ରଞ୍ଜେ
 ବଧୂଲ ବୋମଳ ଛବି ॥

ଭାବର ଦୁଇମାତ୍ରା ପର ଗୀତାରସ୍ତୁ

ଦୁଇ
ଢେଆ

ସା ନି
କ ଲ
ମ ନ

| | | | | | | | |
|-------------|-------------|-------------|-------------|---|---|---|---|
| | + | ୦ | + | ୦ | ୦ | ୦ | ୦ |
| ସା ରେ — ରେ | ରେ — ରେ ଗା | ମା ପା ପା ପା | ମା ଗା ରେ ନି | | | | |
| କର ନେ ୦ ଚ | କେ ୦ ର ୦ | ବୁ ଝି ଆ ୦ | ୦ ୦ କ ଲ | | | | |
| କୁ ଉ ଝେ କ | ସ ୦ ମ ମ | ସା ୦ ଥୁ ୦ | ୦ ୦ ମ ନ | | | | |
| ସା ରେ — ରେ | ରେ ଗା ରେ ଗା | ମା ପା ପା ପା | — — — — | | | | |
| କର ନେ — ଚ | କେ ୦ ୦ ର | ବୁ ଝି ଆ ୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ | | | | |
| କୁ ଉଂ କେ କ | ସ ୦ ମ ମ | ସା ୦ ଥୁ ୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ | | | | |
| ସା ସା ରେ ରେ | ମା — ମା — | ପା — ପା ପା | ମା ପା ପା — | | | | |
| ସ ମୁ ନା କ | ନା ୦ ର ୦ | ଚ ଅଂ ଚ ଲ | ପା ୦ ର ୦ | | | | |
| ସ ମା ର ଆ | ପା ୦ ର ୦ | ଚ ଅଂ ଚ ଲ | ନା ୦ ର ୦ | | | | |
| ମା ପା ପା ପା | ପା ପା ପା ପା | ପା ରେ ସା ନି | ପା ପା ପା ନି | | | | |
| ସ ବ ନ ଚ | ଲ ଢ ପୁ ର | ବ ଲ ସା ୦ | ୦ ୦ କ ଲ | | | | |
| ସ ଉ ବ ନ | ବ ନ ଉ ୦ | ମା ଆ ଢ ୦ | ୦ ୦ ମ ନ | | | | |

| | + | ୦ | + | ୦ |
|------------|-------------|-------------|-------------|---|
| ସା ରେ — ରେ | ରେ — ରେ ଗା | ମା ଧା ଧା ସା | ମା ଗା ରେ ସା | |
| ଭରୁ ନେ ୦ ବ | ଛେ ୦ ର ୦ | ଗୁ ର ଅ ୦ | ୦ ୦ ଜ ଲ | |
| କୁ ଝେ ୦ ବ | ସ ୦ ମ ମ | ସା ଅ ଥ ୦ | ୦ ୦ ମ ନ | |
| ସା ରେ — ରେ | ରେ — ରେ ଗା | ମା ଧା ଧା ସା | — — — — | |
| ଭରୁ ନେ ୦ ବ | ଛେ ୦ ର ୦ | ଗୁ ର ଅ ୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ | |
| କୁ ଝେ ୦ ବ | ସ ୦ ମ ମ | ସା ଅ ଥ ୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ | |
| ରେ — ରେ ରେ | ରେ ସା ସା ସା | ମା ରେ ରେ ସା | ମା ରେ ନ୍ ସା | |
| ଡା ୦ ର ଡା | ୦ ର ସ ର | ଫୁ ୦ ଲ ଶ | ଲେ ୦ କ୍ତି ୦ | |
| କୁ ୦ ଝ ସୁ | ୦ ଝ ର ରେ | ସା ୦ କ କୁ | ଫୁ ୦ ରେ ୦ | |
| — ରେ ରେ ରେ | ମା — ସା — | ସା ନି ଧା ଧା | ସା ମା ରେ ସା | |
| ୦ କୁ କ ର | ହି ୦ କୋ ୦ | ସୁ ଲ ଧା ୦ | ୦ ୦ ଜ ଲ | |
| ୦ ଶ ଶି ବ | ସେ ୦ ମ ଧୁ | ସା ଅ ଧ ୦ | ୦ ୦ ମ ନ | |

ଭରନେ ରଜେର ଗୁଲସା ।

କୁଝେ ବସ ମମ ସାହ ।

ପଦ୍ମିନୀ ପୁରୁଷର ପରି କୁଳଦାର ଅବୃତ୍ତ କର ଅନ୍ୟ ପଦ ପରିବ୍ରା ।

| | + | ○ | + | ○ |
|----|---------------|-------------------------------|-------------|-------------|
| | ମା — ମା ପା | ପା ପା ପା — | — ଟା ଟା ଟା | ପା ପା ଟା ପା |
| ହି | ହି ଠ ଝ ଢ | ଠ ଝ ମେଁ ଠ | ଠ ଢ ବ ବ | ଗୁ ଠ ଝେ ଠ |
| ଡ | ମ ଠ ଝ ଗୁ | ଠ ଝ ନେ ଠ | ଠ ଢ ମ ବ | ର ଠ ଝେ ଠ |
| | * ପା ରେଁ ରେଁ | ସା ରେଁ [△] ସା ରେଁ ସା | ନି ନି ସା — | ସା — — — |
| ହି | * ହିଁ ସ ଡ | କୋ ଠ ମ ଢ | କ ଢ ଯୁଁ ଠ | ଠ ଠ ଠ ଠ |
| ଡ | * ବ ଧୁ ଗୁ | କୋ ଠ ମ ଢ | କ ଠ ଢ ଠ | ଠ ଠ ଠ ଠ |
| | △ ନି ନି ନି ନି | ମା — ପା ମା | ପା ଟା ପା — | — — ସା ନି |
| ହି | ଠ ହିଁ ସ ଢ | କୋ ଠ ମ ଢ | କ ଢ ଯୁଁ ଠ | ଠ ଠ ଢ ଢ |
| ଡ | ଠ ବ ଧୁ ଗୁ | କୋ ଠ ମ ଢ | କ ଠ ଢ ଠ | ଠ ଠ ମ ନି |
| | ସା ରେ — ରେ | ରେ ଗା ରେ ଗା | ମା ଟା ଟା ପା | ମା ଗା ରେ ନି |
| ହି | ରେଁ ନେ ଠ ବ | କୋ ଠ ଠ ବ | ଗୁ ବ ଯୁଁ ଠ | ଠ ଠ କ ଢ |
| ଡ | ହି ଢ ଝେ ବ | ସ ଠ ମ ମ | ସା ଠ ଧୁ ଠ | ଠ ଠ ମ ନି |

ଭରନେ ଚଳେଇ ଗୁରୁୟା ।

କୁଣ୍ଡେ ବସ ମମ ସାଥ ।



(ଦୂର)

କ ଙ୍ଗ ଙ୍

(ଗାୟିକା—ଲୀଳା ଚିତ୍ରଣ)

ହୃଦ

(କହରବା)

ଓଡ଼ିଆ

ହୃଦ୍ୱା ହୃମ ଧୀରେ ବହୋ,
ମେରେ ଆଜେ ହୋଇ ଚିତ୍ତବୃତ୍ତ ।
ଛେଟି ସୀ ମେର ଦଲ୍ ଗା ତଲେୟା
ଭଗମଗା ତୋଲେ ପ୍ରୀତି କି ନୈୟା
ଓ ପୁରବେୟା ଦୟା କରେ,
ମେରେ ହୃଦ୍ୱା ମେ—
ବିଠଇ ହିଲେଇ ॥

ଧୀରେ ଧୀରେ ପରଶିଆ,
ମୋର ଘର ପରବାସୀ ରେ ।
ବୁଝି ତୁ ପ୍ରିୟ ନରମ ଅଧରେ
କହ ତୁନି ତୁନି ରଜନୀ ଅଧରେ
ଏ ଧରଦେଶୀ ସମୀର ରେ !
ସରେ ଜାଗରେ—
ମୋ ନିଶି ରେ ॥

ଭାବର ଚିତ୍ର ମାତ୍ରା ପର ଗୀତର ମୂଳ

ହୃଦ - ହ

ରେ

ହ

ଓଡ଼ିଆ - ଧୀ

ଧୀ

| + | | | | ○ | | | | + | | | | ○ | | | | ଓଡ଼ିଆ- | | | | ଧୀ | | | |
|---|--|--|--|---|--|--|--|---|--|--|--|---|--|--|--|--------|--|--|--|----|--|--|--|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | </ | | | |

| | | | | |
|-----|-------------|-------------------|----------------|-------------|
| | * * ସା ସା | ଧୂସା ସା — ରେ | ଗା ସା ସା ଗା | ରେ ରେ ସା ରେ |
| ହି- | * * ମେ ରେ | ଆ ଡେ ଠ ହୋ | କୋ ଠ ଚି ଡ | ବୋ ଠ ର ଡ |
| ଢ- | * * ମୋ ର | ଦ ର ଠ ସ | ର ଠ ଦା ଶୀ | ରେ ଠ ଠ ଧୀ |
| | ସା ରେ ମା ସା | ଧା ଧା — ଧ | △ ନିଧା ସା — | * * * * |
| ହି- | ଦୁ ଠ ହୁ ମ | ଧୀ ରେ ଠ ଧ | ହୋ ଠ ଠ | * * * |
| ଢ- | ରେ ଠ ଧୀ ରେ | ସ ର ଠ ଛି | ଝ ଠ ଠ ଠ | * * |
| | ସା ସା ସା ସା | △ △ କି ଧି ଧା ଧ | ସା ସା ସା ସା | ମା — ଗା ରେ |
| ହି- | କୋ ଶି ଠ ସା | ମେ ଠ ହି ଠ | ଦି ଲ କି ଡ | କୋ ଠ ସ୍ତା ଠ |
| ଢ- | ବୁ ଠ ମୁ ହୁ | ହି ଠ ଧି ଠ | ନ ର ମ ଥା | ଧ ଠ ରେ ଠ |
| | ସା ସା ରେ ରେ | ରେ ଗା ରେ ସା | ଧୂସା ସା ରେ ମା | ଗା ଗା ରେ — |
| ହି- | ଡ ଗ ମ ଗ | ଡୋ ଠ ରେ ଠ | ସ୍ରୀ ଠ ଡ କି | କୋ ଠ ସ୍ତା ଠ |
| ଢ- | କି କି ହୁ ନି | ହୁ ଠ ନି ଠ | ର କି ନା ଥା | ଧ ଠ ରେ ଠ |
| | ଧା — ଧା ସା | △ ଧା ନି ଧା ସା | ମା ସା ଧା ସା | ଧା — ମା ସା |
| ହି- | ଢ ଠ ପୁ ର | ବି ଧି ସ୍ତା ଠ | ଦି ସ୍ତା ଠ କି | ବୋ ଠ ମେ ରେ |
| ଢ- | ଏ ଠ ସ ର | ଦେ ଏ ଶୀ ଠ | ସ ମୀ ଠ ର | ରେ ଠ ସ ରେ |

| | | | | | | | | | | | | |
|----|------|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|------------------|
| ପା | ସା | — | ନି | ନି | ଧା | ଧା | ସା | ମା | ଗା | ରେ | ରେ | |
| ହୁ | ସ୍ତା | ଠ | ମେ | ଭୁ | ଠ | ଭ | ହୁ | ଭେ | ଠ | ର | ହୁ | ହୁଁ ହୁଁ ମ |
| ଜା | ଗା | ଠ | ରେ | ମୋ | ଠ | ନି | ଶି | ରେ | ଠ | ଠ | ଧା | ରେ ଧା ରେ |



(ଭନି)

କ ଙ୍ଗ ନ୍

ଗାୟିକା—ଲୀଳା ଚିତ୍ରନାଟ୍ୟ

ହିନ୍ଦ

(କହରବା)

ଓଡ଼ିଆ

ସୁନା ପଥରେ ସିତାର-ମିତ୍ର କି ଜୀବନ ବା
କ୍ଷତନି ଗହସ ନିଦମେ ଗୋଟାଇ

ତାହାଁ କି ସନକାର ॥

ମେରେ ସଖୀ କା ଗୀତ ଅଧୁନ

କୌନ କରେଗା ରେ ଅବ ସୁସ୍ତ ?

ଗିରଧର ନାଗର କ୍ୟା ନୟନୋଗେ

ସାୟୁ ସାୟୁ କି ପୁକାର ॥

ଥୁଲି ଭୁଲିରେ ଦୁମ-ମାୟା-ମନବୋରକୁ
ରଜନୀ ଅଧରେ କେ ହୁ ପୁଟାଇଲୁ

ଛୁସା ମୋ ନୟନେ ?

ସୁନ୍ଦ ନିଶରେ ଜୀବନ ସାରେ

ଆଖି ମୁଦ ମୁଁ ଲେଉଟକ ଧାରେ,

ଗିର-ସର କୋଇଲି ତାନ ପୁକାରେ

କୁହୁ କୁହୁ ମୋ କାନେ ॥

ବହେ ଅଧାରେ ମନ ମଦୁଆ

ଫୁଲ ଧନ ଲୁଟି ଲମ୍ପଟି ବାଆ

ଥର ଥର ତା ଭୁଲେ କେ ସରଗେ ଗୋ !

ରହୁ ରହୁ ମରମେ ?

| | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|-----|----|----|----|----|----|----|----|-----|----|----|-----|
| | ପା | ପା | କି | ପା | ପା | ପା | — | ମା | ପା | — | — | — | ସାଁ | କି | ପା | ପା |
| ଫି | ସା | କି | ୦ | ପ | ଡି | ର | ୦ | ସି | ଡା | ୦ | ୦ | ର | ମାଁ | ସା | ୦ | କେ |
| ଡି | ଡି | କି | ୦ | ଥ | କି | ରେ | ୦ | ସୁ | ମେ | ୦ | ୦ | ୦ | ମା | ସୁ | ୦ | ମ |
| | ମା | ପା | ମା | ଗା | ରେ | — | — | — | ପା | ପା | କି | ପା | ପା | ପା | — | ମା |
| ଫି | ଗା | ୦ | ବ | ନ | କି | ୦ | ୦ | ୦ | ହୁ | କି | ୦ | ପ | ଡି | ରେ | ୦ | ସାଁ |
| ଡି | ନ | ୦ | ବେ | ର | ହୁ | ୦ | ୦ | ୦ | ହୁ | କି | ୦ | ଥ | କି | ରେ | ୦ | ସ |
| | ପା | — | — | — | ପା | ପା | ପା | ପା | ପା | ରେ | ପା | — | ରେ | — | ମା | ମା |
| ଫି | ଡା | ୦ | ୦ | ର | କି | ୦ | ୦ | ୦ | ଗ | କ | ସା | ୦ | ଗା | ୦ | ବ | ମେ |
| ଡି | ମେ | ୦ | ୦ | ୦ | ର | କ | ସା | ୦ | ସ | ସ | ରେ | ୦ | କେ | ୦ | ହୁ | ସୁ |
| | ପା | — | ପା | ପା | ପା | ପା | ପା | — | କି | — | ପା | ପା | ପା | ମା | ପା | ପା |
| ଫି | ଗୋ | ୦ | ଗ | ହ | ଡା | ୦ | ୦ | ୦ | ଗା | ୦ | ହ | ନ | କା | ୦ | ୦ | ର |
| ଡି | ଟା | ୦ | ହ | ହ | ହ | ୦ | ୦ | ୦ | ମୋ | ୦ | ନ | ସୁ | ନେ | ୦ | ୦ | ୦ |
| | — | — | — | — | ସାଁ | କି | ପା | ପା | ମା | ପା | ମା | ଗା | ରେ | — | — | * |
| ଫି | ୦ | ୦ | ୦ | ୦ | ମାଁ | ସା | ୦ | କେ | ଗା | ୦ | ବ | ନ | ଗା | ୦ | ୦ | * |
| ଡି | ୦ | ୦ | ୦ | ୦ | ମା | ସୁ | ୦ | ମ | ନ | ୦ | ବେ | ର | ହୁ | ୦ | ୦ | * |

Digitised by srujanika@gmail.com

| | + | ୦ | + | ୦ | |
|---|------------|------------|-------------|-------------|----------------------------------|
| | ରେ ସା — ସା | ରେ ମା — ମା | କା ଧା ନି ସା | ସା ଧା ନି ସା | ସା ଧା ନି ସା |
| ୧ | ସା ସୁ — ସା | ସୁ କ ୦ ସୁ | କା ୦ ୦ କ | କା ୦ ୦ କ | ମାନି ଧବା ମଗା ରଖ (ଖାଲି ବାଜା) |
| ୨ | କୃ କୃ — କୃ | କୃ ମୋ ୦ କା | କେ ୦ ୦ ୦ | କେ ୦ ୦ ୦ | |
| | ରେ ସା — ସା | ରେ ମା — ମା | କା ଧା ନି ସା | କା ଧା ନି ସା | |
| ୩ | ସା ସୁ ୦ ସା | ସୁ କ ୦ ସୁ | କା ୦ ୦ କ | କା ୦ ୦ କ | ମାଗିଲେ ଜାବନ କ |
| ୪ | କୃ କୃ ୦ କୃ | କୃ ମୋ ୦ କା | କେ ୦ ୦ ୦ | କେ ୦ ୦ ୦ | ମାୟା ମନ ବୋରକୁ |

(ସ୍ତବ)

— ବାଦି —

ଗାୟକ-ବେଣୁଜା ଦେବୀ

— ହୃଦ ଗୀତ —

(ଗୀତ — ବୋରବା)

— ଓଡ଼ିଆ ଗୀତ —

ହୁକି ଅଇ ରେ ବଦରସା ଶାବନ ବ
ଶାବନ କା, ମନ ଭାବନ କ । (ହୁକି)
ନକ୍ତି ନକ୍ତି କୁନ୍ଦା, ମେଢ଼ାବ ବରଷେ,
ସିପି ସପିଡ଼ା ରେ କରେ
ଅଲି ଯାୟ କହୋ ପିଆ ଆବନ କ ॥
ସୁନରେ ହୁଠି ପାପୀକା ପାପୀ—
ସା କୋ ନାମ ନ ରେ—
ଶୁନ ଯାବେ କୋଇ ବରଦା କା ମାର
ସା କାରନ କା ଦେ—
ସେ ଦୋହ ନୈନା କହୋ ନ ମାନେ
ନଦୀଆ ବହେ ଜୈସେ ଶାବନକ
କୋଇ ପାୟ କହୋ ପିଆ ଆବନକ
(ହୁକି ଅଇ ରେ)

ଦେଇ ଅଇଲ ବନ ଘଣ୍ଟା ଅଜ ସଖି ।
ଅଜ ସଖି-ସାଜ ସାଜ ସଖି । । ୦ ।
ଛପି ଛପି ଚପଳା ଚମକ ଚମକ
ଗୁରୁ ଛଟାରେ ଗୁଡ଼େ ଫେର
ନବାନାର ନୁଆ ନୁଆ ଲଜ ସେବ ?
ଗରଜେ ଘନ ସତେ କି ଗାଏ
କାମା ଗୁରୁ ଶିରେ—
ବରଦା କାନନେ ବରଦ ଚେତାଏ
ଧାୟା ବାରି ହୁଅ ।
ଗୁଡ଼ିକ ମାଗେ ପ୍ରିୟ ଅନୁରାଗେ
ନୟନେ ପାରଇ ନିଆଜ ରଖି
ତେଜ ବାଜିବାରେ ଏ ସଲଲ ଅଖି
(ଦେଇ ଅଇଲ)

ଜାତର ଦୁଇମାତ୍ରା ପଦ ଗୀତାବଳୀ

| | | |
|--------|----|----|
| | ମା | ଶା |
| ହ୍ରସ୍ୱ | ଝୁ | କ |
| ଦ୍ରବ୍ୟ | ସେ | ହ |

| | | | | | | | |
|----|----|----|----|----|----|----|------|
| | + | | o | | + | | o |
| ୧ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୨ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୩ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୪ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୫ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୬ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୭ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୮ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୯ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୧୦ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୧୧ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୧୨ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୧୩ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୧୪ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୧୫ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୧୬ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୧୭ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୧୮ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୧୯ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୨୦ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୨୧ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୨୨ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୨୩ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୨୪ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୨୫ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୨୬ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୨୭ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |
| ୨୮ | ଗା | ମା | ରେ | ସା | ନି | ରେ | ସା — |
| ୨୯ | ଅ | ଇ | ରେ | କ | ଦ | ରି | ଆ o |
| ୩୦ | ଅ | ଇ | ଇ | ସ | ନ | ସ | ଟା o |

| | + | ○ | + | ○ | |
|----|-------------|--------------|--------------------------|---------------|--|
| | ନି — ନି ନି | ନି ରେର୍ ନି — | ନି ଧା ନି ସା | ଧା — ସା ସା | |
| ହି | ସି ○ ସି ସ | ସା ○ ହା ○ | ସା ○ ର କ | ରେ ○ ଅ ଲି | |
| ଓ | ସୁ ○ ସୁ ଛ | ଟା ○ ଡେ ○ | ସୁ ○ ହେଁ ଫେଁ | ରୁ ○ ନ ବା | |
| | ଗା ମା ସା ମା | ସା — ମା ସା | ଧା ସା ଧା ସା | ମଗା ରେ ଗମା ସା | |
| ହି | ଜା ○ ସୁ କ | ହୋ ○ ଟି ସୁ | ଅ ○ ବ ନ | କି ○ ସୁ କି | |
| ଓ | ନା ○ ର ନୁ | ଆ ○ ନୁ ଆ | ସା ○ ନ ସେ | କି ○ ସେ ରି | |
| | ରେ ମା ସା ମା | ସା ସା ମା ସା | ଧା [△] ନି ଧା ସା | ଗା ସା ମା — | |
| ହି | ସୁ କ ରେ ○ | ହ ଠି ○ ସ | ସା ○ ହା ○ | ସା ○ ସା ○ | |
| ଓ | ଗ ର କେ ○ | ସ କ ○ ସ | ହେ ○ କି ○ | ଗା ○ ଏ ○ | |
| | ଗା — ସା — | ରେ — ଗା ସା | ମା — — — | — — * * | |
| ହି | ସା ○ କି ○ | ନା ○ ମ ନ | ଲେ ○ ○ ○ | ○ ○ * * | |
| ଓ | ବା ○ ମା ○ | ସୁ ○ ହୁ କ | ରେ ○ ○ ○ | ○ ○ * * | |
| | ରେ ସା ସା ମା | ସା — ମା ସା | ଧା [△] ନି ଧା ସା | ମା ସା ମା — | |
| ହି | ସୁ ନ ସା ଡ | ହେଁ ○ ହୋ ର | ବ ର ହି କି | ମା ○ ର ଠ | |
| ଓ | ବ ର ସା ○ | କା ○ ନ ନେ | ବି ର ହି କେ | ଜା ○ ଏ ଡ | |

| | ୦ | + | ୦ |
|-----------------|--------------|---------------|---------------|
| ୧- ଗ — ସା — | ରେ ରେ ଗା ପା | ମା — — — | — — * |
| ୨- ଶୀ ୦ କା ୦ | ର ନ ଜା ୦ | ଦେ ୦ ୦ ୦ | ୦ ୦ * * |
| ୩- ଧା ୦ ସ୍ୱା ୦ | ବା ୦ ର ଝ | ରେ ୦ ୦ ୦ | ୦ ୦ |
| ୪- ପା — ଧା ପା | ନି ଧା ନି ସା | ସା ସା ସା ସା | ନି ରେ ସା — |
| ୫- ଶ୍ୱେ ୦ ଦୋ ଭ | ନେ ୦ ନା ୦ | କ ହୋ ୦ ନ | ମା ୦ ନେ ୦ |
| ୬- ସ୍ୱ ୦ ତ କ | ମା ୦ ଗୋ ୦ | ପ୍ରି ସ୍ୱ ଅ ଭୁ | ସ୍ୱ ୦ ଗୋ ୦ |
| ୭- ନି ଧା ନି — | ନି ସା ସା ସା | ଧା ନି ନି ସା | ଧା ପା ପା ପା |
| ୮- ନି ଦି ସ୍ୱା ୦ | ଦ ହେ ସ ସେ | ଗା ୦ କ ନ | କି ୦ ହୋ ଭ |
| ୯- ନି ସ୍ୱ ନେ ୦ | ପା ର ତ ନ | ଆ ୦ ଜ ର | ଖି ୦ ତେ ଜ |
| ୧୦- ରେ ମା ପା ମା | ପା — ମା ପା | ଧା ସା ଧା ପା | ମଗା ରେ ଗମା ପା |
| ୧୧- ପା ୦ ସ୍ୱ କ | ହୋ ୦ ପି ସ୍ୱା | ଆ ୦ କ ନ | କି ୦ ସ୍ୱ କି |
| ୧୨- ବା ୦ ନି ଗା | ରେ ୦ ଏ ସ | ସ୍ୱ ୦ କ ଆ | ଖି ୦ ଦୋ ର |



(ପାଞ୍ଚ)

ମ ଙ୍ଗି ଲ୍

ଗାୟକ—ପଦ୍ମଜ ମଞ୍ଜିକ୍

ହିନ୍ଦି

(ବହରବା)

୬୫୩

| | |
|--|--|
| <p>ସୁନ୍ଦର ନାରୀ, ପ୍ରୀତିମ ପ୍ୟାସୀ, ପ୍ୟାସୀ-ହରି ଦେବତା ପ୍ୟାସୀ, ପ୍ୟାସୀ, ହରି ଦେବତା ନୈନା ରସିଲେ, କାରେ କଟିରେ ଠାଡ଼ି ନୈନ ଲଢ଼ାଦ । ସୁନ୍ଦର ଠାଡ଼ିନୈନ ଲଢ଼ାଦ ॥ ଏକ ଭୋ ବିରହା ଅଗିନ ସତୀଷେ, ହୁବେ ବଚିକରଏ ମୋହ ଭରମନ ଫୁଲ କମଲକା, ଧୁପଲଗେ ହୁଡ଼ିରଏ ।</p> | <p>ଶ୍ୟାମ କହାଣ୍ଡି, ପଥ ଅନାଣ୍ଡି ସୁଇ ନାର କରତାଏ ॥ ସୁଇ, ଗୁର, ନାର ତ ଝରଏ । କୁନ୍ଦ କୁଟୀରେ-ସମ୍ଭା ଜାରେ ସଞ୍ଜେ ବେଣୁ କଜାଏ ମୋହନ-ସଞ୍ଜେ ବେଣୁ କଜାଏ ॥ କୁସୁମ-ପରଶା-ସବନ ବହେ ଗୋ, ଶୀଳ କୁଡ଼ି ମିଶାଏ ପ୍ରେମ ଭର ମନ, ପ୍ରେମ ବାରହବ, ଶ୍ବାସ ବିନା ସହିଯାଏ ?</p> |
|--|--|

| | + | o | + | o |
|-----|-------------|---------------|------------|-------------|
| | * ଗରେ ରେ ସା | ସରେ ରସା ସମ୍ଭା | — ରେ ସା ସା | ସା ଧା ଧା ସା |
| ହି- | * ସୁ ହି ର | ନା o ଗା o | o ଗ୍ରୀ ତ ମ | ପ୍ୟା o ଗା o |
| ଓ- | * ଶ୍ୟା ମ କ | ହା o ଉ o | o ପ ଥ ଥ | ନା o ଛି o |

| — | ଠ | + | ୦ |
|------------|----------------|-------------|----------------|
| * ପା ୦ ପା | ଗା ଗା ରେ ପା | ରେ — ରେ — | ରଗା ଗପା ଗପା ଧା |
| * ପା ୦ ପା | ଛ ବ ଦ ଶ | ଲ ୦ ଦ ୦ | ପା ୦ ପା ୦ |
| * ପା ୦ ପା | ନା ର ଦ ର | ପା ୦ ଏ ୦ | ପା ୦ ପା ୦ |
| — ପା ପା ପା | ଗା ଗା ରେ ପା | ରେ — ରେ — | ସରେ ଗରେ ସପା ଧା |
| ୦ ପା ୦ ପା | ଛ ବ ଦ ଶ | ଲ ୦ ଦ ୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ |
| ୦ ପା ୦ ପା | ନା ର ଦ ର | ପା ୦ ଏ ୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ |
| * ରେ ଗା ଗା | ପା — ପା — | * ଗପା ଧା ନି | ପପା ନପା ସପା ପା |
| * ନି ନା ର | ସି ୦ ଲେ ୦ | * ବା କେ କ | ଟି ୦ ଲେ ୦ |
| * କୁ ଝି କୁ | ଶି ୦ ରେ ୦ | * ପ ମ ନା | ଜା ୦ ରେ ୦ |
| * ପା — ପା | ଗମା ଗରେ ସନ୍ ପା | ରେ — ରେ ପା | ଗା ମା ଧପା ଧା |
| * ଠା ୦ ଝି | ନେ ୦ ନ ଲ | ଭା ୦ ଦେ ୦ | ସୁ ୦ ନ ର |
| * ପା ୦ କେ | ବେ ୦ ଶୁ ଦ | ଜା ୦ ଏ ୦ | ମୋ ୦ ଦ ନ |
| * ଗା — ମା | ଗମା ଗରେ ସନ୍ ପା | ରେ — ରେ — | ସରେ ଗରେ ସପା ଧା |
| * ଠା ୦ ଝି | ନେ ୦ ନ ଲ | ଭା ୦ ଦେ ୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ |
| * ପା ୦ କେ | ବେ ୦ ଶୁ ଦ | ଜା ୦ ଏ ୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ |

[illegible]

| | + | ୦ | + | ୦ |
|----|---------------|------------|------------|--------------|
| | ରଗା — ଗମା ଗମା | ମା ରେ — — | — ସା ରେ ଗା | ରଗା ରଗା ଗା — |
| ୮ | ଞ୍ଜା ୦ ୦ ୦ | ୦ ଞ୍ଜା ୦ ୦ | ୦ ଧୂ ସ ଲ | ଗେ ୦ ୦ ୦ |
| ୯ | ସ ୦ ୦ ୦ | ୦ ଲ ୦ ୦ | ୦ ଶା ସ ଚ | ନା ୦ ୦ ୦ |
| | — ଗମା ଗମା ରେ | — — ଗା ଥା | — ଥା — — | ଥା — — — |
| ୧୦ | ୦ ୦ ୦ ୦ | ୦ ୦ ହୁ ହୁ | ୦ ଘ ୦ ୦ | ସୁ ୦ ୦ ୦ |
| ୧୧ | ୦ ୦ ୦ ୦ | ୦ ୦ ସ ହୁ | ୦ ଯା ୦ ୦ | ଏ ୦ ୦ ୦ |

(ସାଦ)

— ଭାବି —

ଗାୟିକା — ରେଣୁକା ଦେବୀ

— ଦୁଇ ଗୀତ —

(ତାଳ — କହରବା)

— ଓଡ଼ିଆ ଗୀତ —

ମନ ମୁରଖ କେଁ ଦେଖା ଦେଖା ହେ

ଆଜ୍ଞ ରହେ କଲ୍ ଜାନା ହେ ।

ଅଜ୍ଞ ଖିଲି ଯୋ ଧୁସ ତୋ କଲ୍ କୋ

ସନ ଅଁସୁସାସ ଗୁନା ହେ ॥

ଅନ୍ତ ଚମନମେ ଖିଲି ଆଜ୍ଞ ତୋ,

କଲ୍ ଉଷ୍ମକୋ ମୁରଖାନା ହେ ॥

ଅନ୍ତରା ଦମ୍ଭ ଗୁହେ କୁହ ୦ହରେ,

ଚଲ ଉସେ ହି ଜାନା ହେ ॥

ହେ ଅନ୍ତରା ଜୀବନ ପାସ ରେ

ଏକ ଜଗତେ କହ ସାରରେ ?

କେ ଭୋର ସାଥୀ, କେ ପତ, ସନ୍ତୀ

ମାୟା-ବନ୍ଧନ କାସ ରେ ॥

ଆଜ୍ଞ ଗଗନରେ ଗସ୍ତ କାଲି ସେ

ତମକତ ଦାମିନୀ-ହାସ ରେ ॥

ଦୁନିଆଁ କମିଅଁ, ରେ ମୁହ ମନୁଅଁ

ଫେରା ହୁ ଆଖି ତାସ ରେ ॥

+

9-
6-

| | + | | | | ○ | | | | + | | | | ○ | | | | |
|---|----|----|----|----|---------|----|------|------|---------|----|----|----|----|----|----|------|----|
| | ଗା | ଗା | ମା | ପା | △ ଗା | ରେ | ଧ୍ୱା | ନ୍ | △ ସା | ଗା | ଗା | ସା | ଗା | ମା | ପା | ପା | |
| ୧ | ଚ | ଲ | ଠ | ଉ | ସେ | ଠ | ଝା | ଠ | ଜା | ଠ | ନା | ଠ | ଝି | ଠ | ମ | ନ | |
| ୨ | ଫେ | ରା | ଠ | ଭୁ | ଆ | ଠ | ଝି | ଠ | ତା | ଠ | ରା | ଠ | ରେ | ଠ | ଉ | ଭୁ | |
| | ରେ | ମା | △ | △ | ଗା | ରେ | ସରେ | ନ୍ଧା | ନ୍ଧା | ନ୍ | — | ନ୍ | ସା | ସା | ସା | ନ୍ଧା | ନ୍ |
| ୩ | ମୁ | ଠ | ର | ଗ | ଝି | ଠ | ଝା | ଠ | ତା | ଠ | ନା | ଠ | ଝି | ଠ | ମ | ନ | |
| ୪ | ପି | ଠ | ବ | ଟି | ଜା | ଠ | ଚ | ନ | ପା | ଠ | ରା | ଠ | ରେ | ଠ | ଉ | ଭୁ | |

ହରକ ଝିଆ ପଦ୍ମନା ହେ ॥

ପିଞ୍ଜି ନବନ ଭାବ ରେ ॥

(ଅଠ)

କିନଗୀ

ଜୟତ—ସାୟନଲ

—ହୃଦୟୀ—

—ଶେଷୀ—

ସୋଜା, ସୋଜା ରାଜ-କୁମାରୀ,
 ସୋଜା ମାଏ ବଳିହାରୀ ॥
 ସୋଜା ମିଠି ପୁଅନେ ଆସେ
 ପୁଅନେ ମାଏ ପି ଦରସ ଦିଶାସେ
 ଉଡ଼ିକର ରୁପ ନଗରମେ ଯାସେ,
 ରୁପ ନଗରକ ସଖୀଆଁ ଆସେ
 ରାଜା କି ମାଲ ପଦ୍ମନାସେ
 ରୁମେ ମାଁଗ ଚିହାରୀ ॥
 ସୋଜା ରାଜ କୁମାରୀ

ରାଧା, ରାଧା ପ୍ରେମ-ଚକୋରୀ,
 ରାଧା ରାଲ କିଶୋରୀ ॥
 କୁଞ୍ଜେ କୁଞ୍ଜେ ସଜନୀ ଜାଗି-
 ଜାଗରେ ସାରେ ରଜନୀ ଅଭାଗୀ
 ଫୁଲ ଦଳ ଶେଜ, ସଜାଇ ତୋ ଲଗି
 ଗୋପନଗର କୁଳ ମାନ ତିଆରି,
 ଝୁରେ ସେ ଶ୍ରୀତି ତବ ମାଗି,
 କାହୁଁ କୁଞ୍ଜ ବଢ଼ାସ ! ॥
 ରାଧା, ପ୍ରେମ-ଚକୋରୀ

ତାଙ୍କର ଏହି ମାହାତ୍ମ୍ୟ ଗୀତାରୁ

| | | |
|---------|----|---|
| | ପା | ନ |
| ସ୍ତ୍ରୀ- | ସୋ | ଠ |
| ପୁର- | ସା | ଠ |

| | | | |
|---|--|---|--|
| <p>ଧା ଘା ଘା ଘା</p> <p>କା ଠ ଘା ଠ</p> <p>ଧା ଠ ଘେ ଠ</p> | <p>ସା ଘା ଘରେ ସା</p> <p>କା ହୁ ମା ଠ</p> <p>ମା ବ କୋ ଠ</p> | <p>ସରେ ଗା ଘଗା ଘଗା</p> <p>ସା ଠ ଠ ଠ</p> <p>ସା ଠ ଠ ଠ</p> | <p>ସା ରେ ରେ ସା</p> <p>ସୋ ଠ କା ଠ</p> <p>ସା ଠ ଧା ଠ</p> |
| <p>— — — —</p> <p>ଠ ଠ ଠ ଠ</p> <p>ଠ ଠ ଠ ଠ</p> | <p>— — — —</p> <p>ଠ ଠ ଠ ଠ</p> <p>ଠ ଠ ଠ ଠ</p> | <p>ସା ରେ ମା ମା</p> <p>ଠ ସୋ ଠ କା</p> <p>ଠ ସା ଠ ଧା</p> | <p>ମା — ମା ମା</p> <p>ମେ ଠ ବ କି</p> <p>ସା ଠ ବ କି</p> |
| <p>ମା ଗା ଗମା ସା</p> <p>ସା ଠ ସା ଠ</p> <p>ସୋ ଠ ସା ଠ</p> | <p>— ଗମା ଗରେ ସା</p> <p>ଠ ସୋ ଠ କା</p> <p>ଠ ସା ଠ ଧା</p> | <p>— — — —</p> <p>ଠ ଠ ଠ ଠ</p> <p>ଠ ଠ ଠ ଠ</p> | <p>— — ସା ନି</p> <p>ଠ ଠ ସୋ ଠ</p> <p>ଠ ଠ ସା ଠ</p> |
| <p>ସେ ସା — —</p> <p>କା ଠ ଠ ଠ</p> <p>ଧା ଠ ଠ ଠ</p> | <p>— — — —</p> <p></p> <p></p> | <p>— ରେ ଗା ରେ</p> <p>ଠ ସୋ ଠ କା</p> <p>ଠ ହୁ ଠ ଝେ</p> | <p>ସା ନି ସା ନି</p> <p>ଠ ମି ଠ ଠେ</p> <p>ଠ ହୁ ଠ ଝେ</p> |

| | + | ○ | + | ○ | |
|----|---------------|---------------|---------------------------|---------------|--|
| | ସା ଲ୍ ସା — | ନ୍ସା ରଗା ରେ — | — — — — | — — — — | |
| ହି | ସୁ ସ କେ ○ | ଆ ○ ସ୍ୱେ ○ | ○ ○ ○ ○ | ○ ○ ○ ○ | |
| ଢ | ର ଜ ନା ○ | ଜା ○ ଗି ○ | ○ ○ ○ ○ | ○ ○ ○ ○ | |
| | * ସା ଗା ଗା | ଗା — ଗା — | ଗା ମା ମା ମା | ସଧା ମା ଗା — | |
| ହି | * ସୁ ସ ନେ | ମେଁ ○ ସୀ ○ | ଦ ର ଶ ଦ | ଗା ○ ସ୍ୱେ ○ | |
| ଢ | * ଜା ଗ ରେ | ସା ○ ରେ ○ | ସ ଜ ନା ଅ | ଭା ○ ଗି ○ | |
| | ରେ ରଗା ରେ ସରେ | ସା ଲ୍ ସା ଲ୍ | ସା ଲ୍ ସା — | ନ୍ସା ରଗା ରେ — | |
| ହି | ○ ସୋ ○ ଜା | ○ ମି ○ େ | ସୁ ସ ନେ ○ | ଆ ○ ସ୍ୱେ ○ | |
| ଢ | ○ କୁ ○ ଝେ | ○ କୁ ○ ଝେ | ର ଜ ନା ○ | ଜା ○ ଗି ○ | |
| | * ଗା ଗା ଗା | ଗା ○ ଗା ○ | ଗା ମା ଗା ମା | ମଗା ରଗା ମା — | |
| ହି | * ସୁ ସ ନେ | ମେଁ ○ ସୀ ○ | ଦ ର ଶ ଦ | ଗା ○ ସ୍ୱେ ○ | |
| ଢ | * ଜା ଗ ରେ | ସା ○ ରେ ○ | ସ ଜ ନା ଅ | ଭା ○ ଗି ○ | |
| | ମା ଗା ରେ ରେ | ମା — ମା ମା | ସା ସା ସଧା [△] ନି | ସା ସା ସା — | |
| ହି | ଭି ଭି ଭି ର | ରୁଁ ○ ସ ନ | ଗ ର ମେଁ ○ | ଜା ○ ସ୍ୱେ ○ | |
| ଢ | ଫୁ ଲ୍ ଦି ଲ୍ | ଶେ ○ ଜ ସ | ଜା ର କୋ ○ | ଲ୍ ○ ଗି ○ | |

| + | | | | + | | | | ○ | | | |
|--------------|----|----|----|----|----|----|----|----|----|------|----|
| କ | ପା | ପା | ଧା | ଧା | ଧା | ଧା | — | ଧା | ବେ | ବେ | ଗା |
| ଃ | ରୁ | ପ | ନ | ଗ | ର | କା | ○ | ସ | ଜି | ସ୍ତା | ○ |
| ଃ | ଗୋ | ପ | ନ | ଗ | ର | କୁ | କ | ମା | ○ | ନ | କ |
| — ଧର୍ମା — ଧା | | | | ଧା | ନି | ନି | ଧା | ପା | ଧା | ଧା | ନି |
| ○ | ସ | ○ | କା | କା | ○ | ମା | ○ | କା | ○ | ସ | କି |
| ○ | ହୁ | ○ | ରେ | ସେ | ○ | ତୋ | ○ | ସା | ○ | ର | କ |
| — ନି — ନି | | | | ଧା | — | ପା | ପା | ମା | — | ଗା | — |
| ○ | କ | ○ | ମେ | ମା | ○ | ଗ | କ | ହା | ○ | ସା | ○ |
| ○ | କା | ○ | ହୁ | ହୁ | ○ | ଜି | ବ | ହା | ○ | ସା | ○ |



(ନଅ)

ତୁଳସୀ ଦାସ

ହିନ୍ଦି

(କହରା)

ଓଡ଼ିଆ

ତୁ ରାମ ଭଜନ କର ପ୍ରାଣୀ,
 ଚେତେ ଦୋ ଦିନ କା ଜନ୍ମଗାନୀ
 କାୟା, ମାୟା ବାଦଲଛାୟା
 ମୁରଖ ମନ କାହେ ଭବମୟା
 ଉଡ଼ିଯାଏଗା ଶୀଘ୍ରକ ପଞ୍ଚି
 ଫିରୁ କ୍ୟା ଅନି ଜାନି ॥
 ଜନ୍ କେ ଘରମେ ମା ନହିଁ,
 ବାକା କରେ ନି ଅଂଶୁ
 ଆଶେ ଘାନ ଅନାଥ କୋ—
 ରାମ ନାମ ଅଧାର,
 ମୁଖ ବୋଲୁ ରାମ କି ବାନି,
 ମନୁକା ବୋଲୁ ରାମ କି ବାନି ॥
 ସଜନ ସନେହା ସୁଖ ମନ ସଙ୍ଗୀ
 ଦୁନିଆଁ ଯେ ହେଁ ଶୁଲୁ ଦୁରଙ୍ଗୀ
 ନାରୁ ରହା ହେଁ କାଲୁ ନାହିଁ ପର
 ତେହୁ ଚେହୁ ଅଭିମାନି ॥
 ଯିସିନେ ରାମ ନାମୁ ଶୁନ ଶାୟା
 ଉପକୋ ଲଗେନ ଦୁଖ କି ଗୁୟା
 ନିଜନି କା ଧନ ରାମ ନାମ ହେଁ
 ମୋଁ ହୁଁ ରାମ ଦିବାନି ॥

ମା, ଘନ-ଜନନୀ ହର-ରାଣୀ—
 ତୋତେ କେ କହେ ମା ତୁ ପାପାଣୀ ?
 ଭାବ ! ଭାବ ହାରିଣୀ ଶ୍ୟାମା
 ସଦ-ସରଣେ ନାଶେ ଦୁଃଖ ସୀମା
 ତମସା ନାଶେ, ସଦ କେ ଭାଷେ
 ନାମ ଭବାନୀ ଭବାନୀ ॥
 ଧନ ଦୁଃଖ କି ମା' ସବେ,
 ଅନ୍ତର କାନ୍ଦେ ତାର
 ଦୁର୍ଦ୍ଦିନ ଘୋର ନିଶାରେ,
 ଚନ୍ଦ୍ରମା-ସୁଧା ଧାର
 ମନ ବୋଲୁ ଭବାନୀ ଭବାନୀ,
 ମନୁଆଁ ବୋଲୁ ଭବାନୀ ଭବାନୀ ॥
 ହର ଅରଧାଙ୍ଗୀ କାଳୀ କରୁଳୀ
 ନରସିଂହ ଶୋଭେ କଣ୍ଠର ମାଳୀ
 ବାଦଲ ଛାୟା, ହିତାସ ମାୟା—
 ହାରିଣୀ ମା ତୁ ଶିବାଣୀ ॥
 ସେ ମନେ ମାଗୋ ନାମ ତବ ଗାଏ
 ମର ଶୋକ ଦୁଃଖ ତର କି ଥାଏ ?
 ଏ ଭବ ବନ୍ଧନ ଜାପ-ହର ମା !
 ଅମୃତ ଧାର ପ୍ରଦାନୀ ॥

| ଭାବର ଦୁଇମାତ୍ରା ଥର ଗୀତାରମ୍ଭ | | | | | | | | | | | |
|----------------------------|--|--|--|-------------|--|--|--|---------------|--|--|--|
| + | | | | + | | | | + | | | |
| ଗା ପା ମା ମା | | | | ଗା ପା ଗା ମା | | | | ପା ମା ପା — | | | |
| ରା ଠ ମ ଭ | | | | କ ନ କ ର | | | | ପ୍ରା ଠ ଶୀ ଠ | | | |
| ପା ଠ ନ କ | | | | ନ ମା ହ ର | | | | ରା ଠ ଶୀ ଠ | | | |
| ଗା ପା ମା ମା | | | | ଗା ପା ଗା ମା | | | | ପା ପା ନି ସୀ | | | |
| ରା ଠ ମ ଭ | | | | କ ନ କ ର | | | | ପ୍ରା ଠ ଠ ଠ | | | |
| ପା ଠ ନ କ | | | | ନ ମା ହ ର | | | | ରା ଠ ଠ ଠ | | | |
| ପା ପା ନି ସୀ | | | | ନି ପା ପା ପା | | | | ଗା ମା ଗମା ପମା | | | |
| କୋ ଠ ଦି ନ | | | | କ ଠ କି ନ | | | | ଗା ଠ ନି ଠ | | | |
| କୋ ଠ କି କେ | | | | ମା ଠ ହି ପା | | | | ପା ଠ ଶୀ ଠ | | | |
| ପା — ପା — | | | | ପା — ସୀ — | | | | ସୀ — ସୀ ନି | | | |
| କ ଠ ପା ଠ | | | | ମା ଠ ପା ଠ | | | | କା ଠ ଦି ର | | | |
| କା ଠ ପା ଠ | | | | ପା ଠ ପା ଠ | | | | କା ଠ ର ଶୀ | | | |

| | + | ○ | + | ○ |
|----|---------------|---------------|------------|---------------|
| | * ନି ନି ନି | ନି ସୀ ସର୍ବେ — | ସୀ — ନି ସୀ | ସୀ — ସୀ — |
| ହି | * ମୁ ର ଖ | ମ ନ କା ○ | କେ ○ ଭ ର | ମା ○ ସ୍ତା ○ |
| ଓ | * ପ ଦ ଘ | ର ଶେ ନା ○ | ଶେ ○ ଦୁଃ ଖ | ସ୍ତ୍ରୀ ○ ମା ○ |
| | ସୀ ସୀ ସୀ — | ସୀ — ସୀ — | * ସୀ ସୀ ସୀ | ସୀ — ସୀ — |
| ହି | ଭ ଢ ସା ○ | ସ୍ତେ ○ ଗା ○ | * ଶା ସ କ | ସ ○ ସ୍ତ୍ରୀ ○ |
| ଓ | ଭ ମ ସା ○ | ନା ○ ଶେ ○ | * ସ ଦି କେ | ଭା ○ ଶେ ○ |
| | ନି ସୀ ର୍ବେ ଗୀ | ର୍ବେ ସୀ ନି — | ଧା ନି ସା — | — — ସା ଧା |
| ହି | ଫି ର୍ କ୍ୟା ○ | ଧା ○ ନି ○ | ଜା ○ ନା ○ | ○ ○ ଭୁ ○ |
| ଓ | ନା ○ ମ ଭ | ବା ○ ନା ଭ | ବା ○ ନା ○ | ○ ○ ମା ○ |
| | ରେ ଗା ଗା ସା | ସା ଧା ମା ସା | ମା — — ଗା | ରେ — — — |
| ହି | ସି ନ୍ କେ ○ | ସା ର ମେ ○ | ମା ○ ○ ନ | ହି ○ ○ ○ |
| ଓ | ସା ○ ନ ଦୁଃ | ○ ଖ କି ○ | ମା ○ ○ ସ | ହେ ○ ○ ○ |
| | ମା — ମା ମା | ସା ଧା ମା — | ସା — — — | — — — ସା |
| ହି | ଦା — ଦା କ | ରେ ○ ନା ○ | ସ୍ୟା ○ ○ ○ | ○ ○ ○ ର |
| ଓ | ଆ — ଆ ର | କା ○ ହେ ○ | ତା ○ ○ ○ | ○ ○ ○ ଭ |

| | + | ○ | + | ○ |
|----|---|----|-----|----|
| ମା | — | — | — | — |
| କା | ○ | ସେ | ○ | କା |
| ଖା | ○ | କି | ○ | ଖା |
| ଗା | — | — | — | — |
| ଘା | ○ | ନ | ଅ | ଘା |
| ଙା | ○ | ଝା | ○ | ଙା |
| ଚା | — | — | — | — |
| ଛା | ○ | ମ | ନା | ଛା |
| ଜା | ○ | ପୁ | ରା | ଜା |
| ଝା | — | — | — | — |
| ଞା | ○ | ର | ସ୍ତ | ଞା |
| ଟା | ○ | ଝା | ○ | ଟା |
| ଡା | — | — | — | — |
| ଣା | ○ | ନ | କ | ଣା |
| ତା | ○ | ନା | କ | ତା |
| ଥା | — | — | — | — |
| ଦା | ○ | କ | ଞା | ଦା |
| ଧା | ○ | ନା | କ | ଧା |
| ନା | — | — | — | — |
| ପା | ○ | ନ | କ | ପା |
| ଫା | ○ | ନା | କ | ଫା |
| ବା | — | — | — | — |
| ଭା | ○ | ନ | କ | ଭା |
| ମା | ○ | ନା | କ | ମା |
| ଯା | — | — | — | — |
| ରା | ○ | ନ | କ | ରା |
| ଝା | ○ | ନା | କ | ଝା |

| | + | ୦ | + | ୦ |
|----|-------------|------------|-------------|------------|
| | ସୀ ସୀ ନ - | ନ ଧା ଧା ସା | ସା ଧା ଧା ନ | ସୀ - ସୀ - |
| ହି | ଦୁ ନ ସୀ ୦ | କ ୦ ହେ ୦ | ସୁ ୦ ଲ ଦୁ | ର ୦ ଶୀ ୦ |
| ଓ | ନ ର ଶୀ ର | ଶୋ ୦ ଭେ ୦ | କ ୦ ଶୁ ର | ମା ୦ ଲୀ ୦ |
| | ସୀ - ସୀ ସୀ | ସୀ - ସୀ - | ସୀ - ସୀ ସୀ | - ସୀ ସୀ ସୀ |
| ହି | ନା ୦ ଚ ର | ଦା ୦ ହେ ୦ | ବା ୦ ଲ ଶୀ | ୦ ଶ ସ ର |
| ଓ | ବା ୦ ଦ ଲ | ଛା ୦ ସୁ ୦ | ଫି ତା ୦ ପ | ମା ୦ ସୁ ୦ |
| | ନ - ନ ନ | - ନ ନ ସୀ | ନ ଧା ସା - | - - ସା ଧା |
| ହି | ଚେ ୦ ତ ଚେ | ୦ ତ ଅ ଭ | ମା ୦ ନା ୦ | ୦ ୦ ହୁ ୦ |
| ଓ | ଦା ୦ ର ଶୀ | ମା ୦ ହୁ ଶୀ | ଦା ୦ ଶୀ ୦ | ୦ ୦ ମା ୦ |
| | ରେ ଗା ଗା ସା | ମା - ମା ମା | - ଗା ମା ଗା | ଗା ରେ ରେ - |
| ହି | ସି ସି ନେ ୦ | ସୁ ୦ ମ ନା | ୦ ମ ସୁ ନ | ଗା ୦ ସୁ ୦ |
| ଓ | ସେ ମ ନେ ୦ | ମା ୦ ଗୋ ନା | ୦ ମ ତ ବ | ଗା ୦ ଏ ୦ |
| | ରେ ଗା ଗା ସା | ସା ସା - ସା | ଗା ମା ଗା ମା | ମା ସା ସା - |
| ହି | ଭ ସ କୋ ୦ | ଲ ଗୋ ୦ ନ | ଦୁ ଶ କା ୦ | ଛା ୦ ସୁ ୦ |
| ଓ | ମ ର ଗୋ ୦ | କ ଦୁଃ ୦ ଶ | ଜ ର କା ୦ | ଥା ୦ ଏ ୦ |

| | ୦ | | | | + | | | | ୦ | | | |
|---|----|----|----|----|----|---|----|----|----|----|----|----|
| ୧ | ଧା | — | ଧା | ଧା | ଧା | — | ଧା | ଧା | ଧା | ନି | ସା | ନି |
| | ନି | ୦ | ନି | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| ୨ | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| ୩ | ଧା | ଧା | ଧା | ଧା | ଧା | — | ଧା | ଧା | ଧା | — | ଧା | ଧା |
| | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| ୪ | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| ୫ | ଧା | ଧା | ଧା | ଧା | ଧା | — | ଧା | ଧା | ଧା | — | ଧା | ଧା |
| | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| ୬ | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| ୭ | ଧା | ଧା | ଧା | ଧା | ଧା | — | ଧା | ଧା | ଧା | — | ଧା | ଧା |
| | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| ୮ | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |
| | ଧା | ୦ | ଧା | ଧା | ଧା | ୦ | ଧା | ନି | ଧା | ୦ | ଧା | ନି |

ସମ ସମସ୍ତେ ଏହି ପ୍ରାଣୀ
ଏହି ପ୍ରାଣୀ, ହୃଦ-ସ୍ପର୍ଶ !



(ଦଶ)

ଭାଗ

ଶ୍ରୀମତୀ-ବରଗୁଣା ଦେବୀ

ଦ୍ଵିତୀ

(ନୀତିକା)

ଦେବୀ

ପୁର ସଜନ ତୁମ ମେରେ ମନ ଉଁ ବର
ମେରେ ମନ ଉଁ ବର -

ମେରେ ମନ ଉଁ ବର ॥

ତୁମ ସାଜନ ଆକାଶ କେ ଚିତା,

ମେରେ ମନ ସାଜନ ପ୍ରେମ ବକୋରା
ପ୍ରେମ ବକୋରା, ପ୍ରେମ ବକୋରା ॥

ତୁମ ସାଜନ ଖୁବୁ ପୁରନ କି,

ମେରେ ମନ, ସାଜନ ସଜନ ହକୋରା
ସଜନ ହକୋରା, ସଜନ ହକୋରା ॥

ଦୁମ ନୟନ ଅରେ ତୁମ ପ୍ରେମ-ତୁମର
ତୁମ ପ୍ରେମ-ତୁମର ॥

ତୁମ ପ୍ରେମ-ତୁମର ॥

ନିଶି ବସର ବୋଲେ ଶୀତ କୁହୁ,

ଏକ ମଧୁ ରୁଚିନୀ, ପ୍ରିୟ-ବଧୁରା
ପ୍ରିୟ ବଧୁରା — ପ୍ରିୟ ବଧୁରା ॥

ପୁର ମାଳିକା ବରଦେ ପୁର ପୁର,

ଅଶି ନୟନ ବରଦେ, ବରଦେ-ଅଧିରା
ବରଦେ ଅଧିରା — ବରଦେ ଅଧିରା ॥

| | ୦ | ୧ | + | ୩ |
|---|---|---|---|---|
| | ୦ | | | |
| ୧ | ୦ | ୧ | ୨ | ୩ |
| ୨ | ୧ | ୨ | ୩ | ୪ |
| ୩ | ୨ | ୩ | ୪ | ୫ |
| ୪ | ୩ | ୪ | ୫ | ୬ |
| ୫ | ୪ | ୫ | ୬ | ୭ |
| ୬ | ୫ | ୬ | ୭ | ୮ |
| ୭ | ୬ | ୭ | ୮ | ୯ |
| ୮ | ୫ | ୬ | ୭ | ୮ |
| ୯ | ୪ | ୫ | ୬ | ୭ |

| | ୦ | ୧ | + | ୩ |
|----|---------------|-------------|---------------|----------------|
| | ସା ସା ଗମା ରଗା | ସା ସା * ସା | ରେ ଗା ମା ସା | ଗା ମା ଗା ସା |
| ହି | ହୁ ମ ସା ୦ | ଜ ନ * ଅ | କା ୦ ଶ କେ | ଟି ୦ ଦା ୦ |
| ଡ | ନ ଶି ବ ୦ | ସ ର * କୋ | ଲେ ୦ ପୀ କ | କୁ ୦ ହୁ ୦ |
| | ସା ସା ଗା ମଗା | ସା ସା * ସା | ରେ ଗା ମା ସା | ଗା ମା ରେ ଗା |
| ହି | ହୁ ମା ସା ୦ | ଜ ନ * ଅ | କା ୦ ଶ କେ | ଟି ୦ ଦା ୦ |
| ଡ | ନ ଶି ବ ୦ | ସ ର ୦ କୋ | ଲେ ୦ ପୀ କ | କୁ ୦ ହୁ ୦ |
| | ସନ ଯା ସା ସା | ରେ ଗା ମା ସା | ଗା ମା ରେ ସା | ସା ରେ ସା — |
| ହି | ମେ ରୋ ମ ନ | ସା ୦ ଜ ନ | ସ୍ତେ ୦ ମ ବ | କୋ ୦ ରା ୦ |
| ଡ | ଏ କେ ମ ଧୁ | ସୁ ୦ ନ ଗା | ସ୍ତ୍ରୀ ୦ ସୁ ବ | ଧୁ ୦ ରା ୦ |
| | * ସା ଗା ରେ | ଗା ଗା ମା ସା | ଗା ମା ରେ ରେ | ସ୍ବେ ରେ ସନ୍ ସା |
| ହି | * ସ୍ତେ ମ ବ | କୋ ୦ ରା ୦ | ସ୍ତେ ୦ ମ ବ | କୋ ୦ ରା ୦ |
| ଡ | * ସ୍ତ୍ରୀ ସୁ ବ | ଧୁ ୦ ରା ୦ | ସ୍ତ୍ରୀ ୦ ସୁ ବ | ଧୁ ୦ ରା ୦ |
| | ସା ସା ଗମା ରଗା | ସା ସା * ସା | ରେ ଗା ମା ସା | ଗା ମା ଗା |
| ହି | ହୁ ମ ସା ୦ | ଜ ନ * ହୁ | କୁ ୦ ଫୁ ୦ | ଲ |
| ଡ | ଞ୍ଜୁ ଲ ମା ୦ | ଜି କା * ରେ | କେ ୦ ମ | |

| | ୦ | ୧ | ୨ | ୩ |
|----|-------------------|-------------|-------------|------------------|
| ହି | ସା ସା ଗା ମଗା | ସା ସା ଯା ସା | ରେ ଗା ମା ସା | ଗା ମା ରେ ଗା |
| ଢ | ହୁ ମ ସା ୦ | କ ନ ଗୁ ଶ | ବୁ ୦ ଫୁ ୦ | ଲ ନ ଗା ୦ |
| ଢ | ଫୁ ଲ ମା ୦ | ଲି କା ବି ର | ଢେ ୦ ଫୁ ୦ | ଲି ଫୁ ଲି ୦ |
| ହି | △ ସକି ଧା ସା ସା | ଢେ ଗା ମା ଧା | ଗା ମା ରେ ସା | ସା ରେ ସା — |
| ଢ | ମେ ସେ ମ ନ | ସା ୦ କ ନ | ସ ବ ନ ଶ | କୋ ୦ ଶ ୦ |
| ଢ | ଅ ଶି ଗା ର | ତା ୦ ଢେ କ | ବ ର ହ ଅ | ଧୀ ୦ ଶ ୦ |
| ହି | * ସା ଗା ରେ | ଗା ଗା ମା ସା | ଗା ମା ରେ ରେ | ସରେ ଗରେ ସନ୍ନି ସା |
| ଢ | * ସକ ନ ଶ | କୋ ୦ ଶ ୦ | ସ ବ ନ ଶ | କୋ ୦ ଶୁ ୦ |
| ଢ | * ବିର ହ ଅ | ଧୀ ୦ ଶ ୦ | ବ ର ହ ଅ | ଧୀ ୦ ଶ ୦ |



କାହ୍ନୁହୃଦ

ଏ ଅ ଦିବାର ମାତା କଥାଟି ଦାନ୍ତ ନାହିଁ

— ମା ସଙ୍ଗୀତର ଚୋରବର ଭୁଲ ପୁଲୁରବାକୁ !

— ମତେର ସଙ୍ଗୀତ ସଙ୍ଗରେ, ଜଳର ଚାନ୍ଦର ସଙ୍ଗୀତର ଅସନ ଦାବ କରବ କୁ
ଏସ ରକା ପୁନେ, ଅଳିଅ ପଣ କାଲର, ସଙ୍ଗୀତର ଓ ସାହୁତ୍ୟର ଟେକ, ମଧ୍ୟ ଓ ସମ୍ମାନ ରଖିବ ।

ଉତ୍କଳର ସୁପରିଚିତ ସଙ୍ଗୀତଜ୍ଞ

କବିଚନ୍ଦ୍ର ଶ୍ରୀ କାଳୀଚରଣ ପଟ୍ଟନାୟକଙ୍କ ଅମରଦାନ

“ଓଡ଼ିଶୀ ସଙ୍ଗୀତ ପ୍ରକାଶ”

ଏକ ଏ କାଣି ଦେଖନ୍ତୁ

ହରେ ଶାସ୍ତ୍ରାନୁମୋଦିତ ଓଡ଼ିଶୀ ରାଗ, ମାତ୍ରା, ଧର ବାଦ୍ୟର, ଗୀତ ଓ ସରଳ ରେଲିଫି ବ୍ୟାସୀତଅଛି ।

ବାସକରେ କାଳୀବାରୁ ଅସମ୍ଭବକୁ ସମ୍ଭବ କରି ଦେଶର, ଜାତିର ସ୍ନେହ ଏବଂ

ନୃତ୍ୟକଳାଭିଜ୍ଞାନ ହୋଇ ପାରିଛନ୍ତି ।

ଏ ଭଳି ଖଣିଏ ପୁସ୍ତକ ପ୍ରତ୍ୟେକ ଓଡ଼ିଆରେ ରହିବା ଉଚିତ କି ନାହିଁ ଭବନ :—

ପୁଲର ମା ଅଠ ଅଣା ମା

ସିନେମା ସଙ୍ଗୀତ

(୨ୟ ଟିକାତ)

ଦିକ୍ଷୁ

ପ୍ରାପ୍ତିସ୍ଥାନ :—

ଓଡ଼ିଶୀ ବୁକ୍ ଏମ୍ପୋରିୟମ୍

ବାଲୁବଜାର

କଟକ